Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding pollution of rivers.

श्री अरविंद सावंत (मुम्बई दक्षिण): माननीय उपाध्यक्ष जी, मैं सदन में बहुत ही महत्वपूर्ण विषय उठाना चाहता हूं और इसका संबंध मानव जीवन से है। जल और वायु मानव के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। भारत में जितनी नदियां हैं, सबका जल बहुत प्रदूषित हो गया है। हम अमृत जैसी कई योजनाएं लेकर आए हैं लेकिन हम इसमें बहुत बुरी तरह से फेल हो रहे हैं।

महोदय, महाराष्ट्र, असम, मध्य प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल में नदियों की लंबाई 12,363 किलोमीटर है लेकिन सारा पानी प्रदूषित हो गया है। पश्चिम बंगाल में तो गंगा नदी में आर्सेनिक मिल रहा है, फास्फोरस मिल रहा है, सल्फर मिल रहा है। इसी पानी से किसान खेती कर रहे हैं। यहां लोगों को चमड़ी के रोग हो रहे हैं। मेरे पास आंकड़े हैं कि कितना पैसा किस स्कीम में नदियों के पानी को प्रदूषित होने से बचाने के लिए खर्च किया गया है। नदियों का पानी इतना पैसा खर्च करने के बाद भी प्रदूषित है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से विनती करता हूं कि जल्दी से जल्दी पूरी रिपोर्ट दीजिए कि इतना पैसा खर्च किया गया है लेकिन अब तक इसका क्या हुआ है। गंगा नदी कुछ लंबाई तक प्रदूषित नहीं हुई है, कुछ लंबाई तक पानी अच्छा है और हम वही पानी पी रहे हैं। यह विषय मानव जीवन से संबंधित है इसलिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि सरकार जल्दी से जल्दी इस पर कार्रवाई करने का निदेश दे।

माननीय अध्यक्ष:

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री भैंरों प्रसाद मिश्र,

डॉ. कुलमणि सामल,

श्री राहुल शेवाले,

श्री राजन विचारे और

श्री आधलराव पाटील शिवाजीराव को श्री अरविंद सावंत द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।